डेटा और टेक्नोलॉजी से सफल सिंहस्थ के दिए संकेत

- जमीनी हकीकत परखने पहुंचे नगरीय प्रशासन आयुक्त
- यातायात और लॉजिस्टिक्स को लेकर प्रशासन की बड़ी तैयारी
- जीवनखेड़ी से पंवासा तक व्यवस्थाओं का जायजा

नवभारत न्यूज

उज्जैन. सिंहस्थ महापर्व 2028 की तैयारियों को लेकर नगरीय प्रशासन आयुक्त संकेत भोंडवे का दौरा और उनकी सक्रियता यह दर्शाती है कि प्रशासन इस विशाल आयोजन को लेकर पूरी गंभीरता और दूरदर्शिता के साथ कार्य कर रहा है. महाकाल की नगरी में होने वाला यह आयोजन केवल धार्मिक आस्था का केंद्र नहीं, बल्कि व्यवस्थापन की दृष्टि से भी एक अत्यंत चुनौतीपूर्ण और व्यापक कार्य है.

नगरीय प्रशासन आयुक्त संकेत भोंडवे, जो पूर्व में उज्जैन कलेक्टर के रूप में अपनी सेवाएं दे चुके हैं, शहर की भौगोलिक, सामाजिक और प्रशासनिक संरचना से भली-भांति परिचित हैं. यही अनुभव वर्तमान तैयारियों में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है. उज्जैन पहुंचने के बाद से ही उनके द्वारा लगातार बैठकों का दौर जारी है, जिसमें उन्होंने सिंहस्थ की तैयारियों की बारीकी से समीक्षा की.

स्थानीय अफसरों से लिया फीडबैक -संभागायुक्त एवं सिंहस्थ मेला अधिकारी आशीष सिंह, कलेक्टर रोशन कुमार सिंह, आईजी राकेश गुप्ता, एसपी प्रदीप शर्मा सहित विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए. इसके अतिरिक्त नगर निगम आयुक्त अभिलाष मिश्रा के साथ नगर निगम की योजनाओं और अधोसंरचना विकास कार्यों पर भी नगरी प्रशासन आयुक्त संकेत भोडवे ने विस्तार से चर्चा की गई.

वाहनों की क्षमता का आकलन

संभागायुक्त आशीष सिंह द्वारा रेलवे, बस और निजी वाहनों की वहन क्षमता का आंकलन कर एक समग्र और विस्तृत कार्ययोजना बनाने के निर्देश दिए गए हैं. विशेष रूप से द्वितीय और तृतीय शाही स्नान के दौरान संभावित अत्यधिक भीड़ को ध्यान में रखते हुए कनेक्टिंग रोड्स की क्षमता बढ़ाने और उनके भौतिक निरीक्षण पर जोर दिया गया है.

सेफ्टी ऑडिट और ब्लैक स्पॉट-पैदल यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए नए घाटों का निर्माण किया जा रहा है. वहीं लॉजिस्टिक्स प्लानिंग को पूरी तरह डेटा-आधारित और वैज्ञानिक दृष्टिकोण से तैयार किया जाएगा, जिसमें मांग का सटीक अनुमान, मॉडलिंग और ट्रैफिक रूटिंग शामिल होगी. आयुक्त संकेत भोंडवे ने निर्देश दिए हैं कि सभी प्रमुख मार्गों का समयबद्ध रोड सेफ्टी ऑडिट किया जाए और शहर के ब्लैक स्पॉट चिन्हित किए जाएं. आगामी छह महीनों के भीतर दिशा सूचक संकेतक बोर्ड और वेरिएबल मैसेजिंग साइन अनिवार्य रूप से स्थापित करने के निर्देश भी दिए गए हैं, जिससे यात्रियों को मार्गदर्शन मिल सके और दुर्घटनाओं में कमी आए.

मोबिलिटी प्लान पर चर्चा

सिंहस्थ 2028 के संदर्भ में आयोजित उच्च स्तरी चर्चा के दौरान मोबिलिटी प्लानिंग, यातायात प्रबंधन और लॉजिस्टिक्स व्यवस्था को लेकर विस्तृत चर्चा की गई. प्रशासन का अनुमान है कि इस महापर्व में लगभग 30 करोड़ श्रद्धालु शामिल हो सकते हैं, जिनमें से करीब 80 प्रतिशत लोग सड़क मार्ग से उज्जैन पहुंचेंगे. इस विशाल संख्या को देखते हुए इंदौर और देवास से आने वाले प्रमुख मार्गों पर विशेष ध्यान केंद्रित किया जा रहा है.

ट्रैफिक का पूर्व अनुमान -यातायात व्यवस्था को सुव्यवस्थित बनाने के लिए आधुनिक तकनीकों का उपयोग किया जाएगा. माइक्रोस्कोपिक और मैक्रोस्कोपिक ट्रैफिक सिमुलेशन के माध्यम से विभिन्न परिस्थितियों में यातायात का पूर्वानुमान लगाया जाएगा. साथ ही, सामान्य दिनों और विशेष पर्वों के दौरान वाहनों की प्रति घंटा आवाजाही का डेटा संग्रहण कर वैज्ञानिक आधार पर योजना तैयार की जा रही है.

चार्जिंग स्टेशन बनाओ-इसके साथ ही पर्यावरण संरक्षण को ध्यान में रखते हुए ई-वाहनों को बढ़ावा देने की दिशा में भी महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए हैं. सिंहस्थ के दौरान बाहर से आने वाले इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए शहर के प्रमुख स्थलों- जैसे मंदिर, मॉल, शासकीय कार्यालयों के आसपास- पर पर्याप्त चार्जिंग स्टेशन स्थापित किए जाएंगे.

सफल आयोजन के लिए उज्जैन हो तैयार -कुल मिलाकर, सिंहस्थ महापर्व 2028 की तैयारियां एक समन्वित, तकनीकी और व्यावहारिक दृष्टिकोण के साथ आगे बढ़ रही हैं. आयुक्त संकेत भोंडवे के नेतृत्व में प्रशासनिक टीम यह सुनिश्चित करने में जुटी है कि श्रद्धालुओं को सुरक्षित, सुगम और व्यवस्थित सुविधाएं मिल सकें, और उज्जैन एक बार फिर इस वैश्विक धार्मिक आयोजन का सफल आयोजन कर सके.

मोनालिसा निकली नाबालिग, प्रकरण दर्ज

- मामला वायरल गर्ल की शादी के बवाल का...
- , जन्म प्रमाण पत्र से हुआ खुलासा दस्तावेजों ने खोली सच्चाई,

नव भारत न्यूज

इंदौर. महेश्वर क्षेत्र में रहने वाली वायरल गर्ल की शादी अब विवादों में घिर गई है. अस्पताल से प्राप्त जन्म प्रमाण पत्र में युवती की उम्र 16 वर्ष सामने आने के बाद मामला गंभीर हो गया है, मामले में पुलिस ने विभिन्न धाराओं में प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है.

मामला उस युवती से जुड़ा है, जो प्रयागराज महाकुंभ के दौरान वायरल हुई थी. मामले में सूत्रों का कहना है कि सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र महेश्वर से प्राप्त जन्म प्रमाण पत्र के अनुसार युवती की जन्मतिथि 30 दिसंबर 2009 दर्ज है, जिससे उसकी वर्तमान उम्र 16 वर्ष 2 माह 11 दिन पाई गई है. इस आधार पर वह नाबालिग साबित हुई है. जन्म प्रमाण पत्र सामने आने के बाद शादी को लेकर विवाद गहरा गया है. जनप्रतिनिधियों ने मामले में कड़ी कार्रवाई की मांग करते हुए आरोप लगाया कि युवती को झांसे में लेकर उसके साथ साजिश की गई. मामले को लेकर क्षेत्रीय स्तर पर भी नाराजगी देखी जा रही है. जानकारी के मुताबिक, पहले फर्जी दस्तावेजों के आधार पर शादी होने की बात सामने आई थी, लेकिन बाद में जांच के दौरान वास्तविक जन्म प्रमाण पत्र मिलने से स्थिति स्पष्ट हो गई. अनुसूचित जनजाति आयोग, महिला आयोग और स्थानीय संगठनों की सक्रियता के बाद मामले ने तूल पकड़ा. सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के अनुसार उपलब्ध रिकॉर्ड के आधार पर युवती नाबालिग है. उधर परिजनों ने प्रशासन से युवती को वापस लाने की गुहार लगाई है. सूत्रों के मुताबिक परिजनों की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी युवक और उसके साथियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है.

> **दस्तावेज के आधार पर 16 वर्ष है उम्र**
> जन्म पंजीयन दस्तावेज के अनुसार युवती की जन्मतिथि 30 दिसंबर 2009 है, जिसके आधार पर उसकी वर्तमान उम्र लगभग 16 वर्ष है.
> **- डॉ. अतुल गौड़ (बीएमओ, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र महेश्वर)**

महिला ने करवाई प्रेमी से मिलकर पति की हत्या

भिण्ड. जिले के अटेर थाना क्षेत्र के खिरिका गांव निवासी नीलेश जाटव की दो दिन पहले अज्ञात बाइक सवारों द्वारा गोली मारकर हत्या कर दी गई थी. इस हत्याकांड का पुलिस ने आज खुलासा करते हुए चौंकाने वाला सच सामने लाया है. मामले में मृतक की पत्नी ही साजिशकर्ता निकली जिसने अपने प्रेमी के साथ मिलकर वारदात को अंजाम दिलाया. भिण्ड एसपी असित यादव ने आज शाम को प्रेसवार्ता में बताया कि नीलेश अपनी पत्नी रूबी और तीन साल की बेटी के साथ भिण्ड आया हुआ था. रात करीब साढ़े आठ बजे वह बाइक से गांव लौट रहा था. इसी दौरान महिला ने भिण्ड से निकलते ही अपने प्रेमी विशाल जाटव को मैसेज कर रमटा गांव के पास मिलने का इशारा दे दिया.

देवास में डॉक्टर ब्लैकमेलिंग कांड: 44 लाख के लेन-देन का खुलासा, 6 आरोपी गिरफ्तार

देवास. पिछले चार दिनों से देवास जिले में डॉक्टर ब्लैकमेलिंग कांड सुर्खियों में बना हुआ है। मामला अब पूरे मध्यप्रदेश में चर्चा का विषय बन गया है. खास बात यह है कि देवास में इस तरह का यह पहला मामला है, जिसमें एक अंतरराज्यीय गिरोह की संलिप्तता सामने आई है.

जानकारी के अनुसार, इस ब्लैकमेलिंग कांड में करीब 44 लाख रुपये के लेन-देन का खुलासा हुआ है. अब तक 5 महिला डॉक्टरों ने थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई है और पुलिस को अहम सबूत भी सौंपे हैं. पुलिस ने कार्रवाई करते हुए अब तक 6 आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जिनमें से 3 आरोपियों को जेल भेज दिया गया है, जबकि 3 आरोपी पुलिस रिमांड पर हैं। वहीं बीती रात इस मामले में श्रीकांत उपाध्याय को भी गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया. पुलिस के अनुसार, प्राप्त शिकायतों और साक्ष्यों के आधार पर अलग-अलग 4 प्रकरण दर्ज किए गए हैं. गिरफ्तार आरोपियों में राजेश धनेचा, राम माल्या, सफाना, विजय अरोरा, सिमरन और श्रीकांत उपाध्याय शामिल हैं. आरोपियों के पास से कुछ राशि भी जब्त की गई है. थाना प्रभारी श्यामचंद्र शर्मा ने बताया कि मामले की जांच जारी है और गिरोह से जुड़े अन्य पहलुओं की जानकारी जुटाई जा रही है. उन्होंने कहा कि यदि और भी पीड़ित सामने आते हैं तो उनके आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी.

पेज एक का शेष

किसान अर्थव्यवस्था की रीढ़ : राजनाथ

तरह 'जय जवान, जय किसान' के नारे को नए अर्थ के साथ चरितार्थ किया जा रहा है. सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हमेशा किसानों को देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ बताते हैं और यह केवल कहने की बात नहीं, बल्कि पिछले वर्षों में जमीन पर हुए बेमिसाल कार्यों से साबित तथ्य है. उन्होंने प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि का उल्लेख करते हुए कहा कि पहले अगर किसान के नाम पर पैसा निकलता था तो आधा रास्ते में ही दूसरों की जेब में चला जाता था, जबकि अब सरकार ने ऐसा सिस्टम बनाया है कि दिल्ली से जितना पैसा निकलता है, वह पूरा का पूरा सीधे किसान के खाते में पहुंचता है. उन्होंने कहा कि यह आर्थिक सहायता कोई दान नहीं, बल्कि किसान के पसीने और परिश्रम का सम्मान है, जिससे वह बीज, खाद और खेत के जरूरी खर्च पूरे कर पाते हैं.

हर राज्य का कृषि रोडमैप तैयार हो रहा है : शिवराज

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने किसानों से आग्रह किया कि वे केवल पारंपरिक अनाज-प्रधान खेती से आगे बढ़कर एकीकृत कृषि प्रणाली (इंटीग्रेटेड फार्मिंग) अपनाएं, क्योंकि जमीन के छोटे-छोटे टुकड़ों- एक, दो या तीन एकड़ पर भी अगर अनाज के साथ फल, सब्जी, पशुपालन, मधुमक्खी पालन, बकरी पालन और मुर्गी पालन जोड़ा जाए, तो वास्तविक रूप से लाभकारी खेती संभव है. शिवराज ने आगे बताया कि प्रधानमंत्री के निर्देश पर केंद्र सरकार हर राज्य का कृषि रोडमैप तैयार कर रही है, क्योंकि हर राज्य की परिस्थितियां और एग्रो-क्लाइमेटिक कंडीशंस अलग हैं. उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश के लिए भी राज्य सरकार के साथ मिलकर एक समग्र कृषि रोडमैप बनाया जाएगा.

मुद्दा | सिंघार ने यूसीसी लागू करने पर जतायी चिंता

आदिवासियों के अधिकार होंगे प्रभावित

विशेष संवाददाता

भोपाल, 11 अप्रैल. विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने प्रस्तावित यूनिफॉर्म सिविल कोड (यूसीसी) को लेकर चिंता व्यक्त करते हुए कहा है कि इसका लागू होना आदिवासी समुदायों की पहचान, परंपराओं और संवैधानिक अधिकारों के लिए खतरा बन सकता है.

सिंघार ने कहा कि भारत की ताकत उसकी विविधता में निहित है, जहां आदिवासी समाज सदियों से अपनी विशिष्ट सांस्कृतिक परंपराओं, रीति-रिवाजों और सामाजिक व्यवस्थाओं को संरक्षित करता आ रहा है. उन्होंने तर्क दिया कि एक समान कानून थोपने से इन परंपराओं को नुकसान पहुंचेगा और उनके अधिकारों का हनन होगा.

संविधान के अनुच्छेद 44 का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि यूसीसी को नीति-निर्देशक तत्वों में रखा गया है, जो व्यापक सहमति की आवश्यकता को दर्शाता है, न कि इसे तत्काल लागू करने की. उन्होंने भारतीय जनता पार्टी पर आरोप लगाया कि वह बिना पर्याप्त परामर्श और लोकतांत्रिक विमर्श के इस कानून को जल्दबाजी में लागू करने की कोशिश कर रही है. सिंघार ने जोर देकर कहा कि समानता का अर्थ एकरूपता नहीं होता, बल्कि प्रत्येक समुदाय की विशिष्टता का सम्मान करते हुए न्याय सुनिश्चित करना है.

> उन्होंने बताया कि संविधान की पंचम अनुसूची और षष्ठम अनुसूची आदिवासी समूहों को सांस्कृतिक स्वायत्तता की गारंटी देती हैं. उन्होंने सवाल उठाया कि क्या यूसीसी आदिवासी समुदायों पर भी लागू होगा और इस संबंध में सरकार से स्पष्ट आश्वासन की मांग की. व्यापक परामर्श की आवश्यकता पर जोर देते हुए सिंघार ने कहा कि आदिवासी समुदायों की परंपराओं और अधिकारों की रक्षा के लिए उन्हें यूसीसी के दायरे से बाहर रखा जाना चाहिए.

स्वत्वाधिकारी रामगोपाल इन्वेस्टमेंट प्रा. लि. हेतु लेसी एंगेज मीडिया प्रा.लि. के लिए आशुतोष उपाध्याय द्वारा 6/54, फिरोज गांधी प्रेस काम्प्लेक्स, इंदौर से प्रकाशित एवं नवभारत प्रेस भोपाल प्रा.लि. , फिरोज गांधी प्रेस कॉम्प्लेक्स इंदौर से मुद्रित. समूह संपादक क्रांति चतुर्वेदी*, *समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत जिम्मेदार, फोन/फैक्स- 4096718 **RNI Reg. No.7590/60**